



West is not the best...

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The way people say is everyone is everyone's 11th cousin within quite large geographical areas. So, you probably don't even need to go back as far as Eve to find people who are connected to each other.

White noise is old news, pink noise is the rage now

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के “कई ब्रॉण्ड” धराशायी हुए

कांग्रेस के दो “ब्रॉण्ड”, अशोक गहलोत व कमलनाथ, राजनीति की दृष्टि से खत्म हो गये

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। इस वर्ष

(2024) के चुनावों में राष्ट्रीय तथा

प्रान्तीय दोनों ही स्तरों पर कई ब्रॉन्ड

काफी हुद तक धराशायी कर दिये हैं।

इस चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर ब्रॉन्ड नरेंद्र मोदी को उनके ऊंचे आसन से नीचे उतार दिया तथा वे नीचे ही अंते जा रहे हैं।

जहां तक कांग्रेस का प्रश्न हैं, दो बड़े

ब्रॉन्ड धूत चाट गए हैं और राजनीतिक

रूप से अपने अंत के निकट हैं।

राजस्थान के कांग्रेस पार्टी अर्थव्याप्ति में एक

सुपरिचित ब्रॉन्ड थे, आज हाशिये पर

पहुंच नुक्के हैं।

राजस्थान के कांग्रेस पार्टी अर्थव्याप्ति

में अशोक गहलोत नहीं कर सके।

वैभव गहलोत दूसरी बार हो रहे हैं।

राजस्थान कांग्रेस के कुछ लोगों का

कहना है कि अगर गहलोत नहीं रहे होते

- गहलोत, दोबारा अपने पुत्र वैभव गहलोत को चुनाव जितवाने में नाकामयाब रहे। बल्कि, राजनीतिक हल्कों में तो चर्चा यहां तक है कि, अगर अशोक अपने पुत्र का चुनाव हाना “माझको मैनेज” नहीं करते तो शायद वैभव सहानुभूति के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाते और यह स्थिति नहीं आती कि, अब पार्टी में पूर्व मुं.मंत्री गहलोत की जब चर्चा होती है, तो यह शब्द प्रायः सुने जाते हैं कि, “एक अशोक गहलोत था।”
- इस प्रकार कमलनाथ, अपनी पुरानी सीट छिंदवाड़ा से हारे। 1953 से कांग्रेस पार्टी छिंदवाड़ा से लगातार जीतती आ रही थी। इसके अलावा कमलनाथ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के लोकसभा चुनाव में भाजपा सभी सीटों पर विजयी हुई। कमलनाथ की स्थिति तो इतनी गढ़बड़ी थी कि, एक बार तो गंभीरता से चर्चा चली थी कि, कमलनाथ व उनके पुत्र भाजपा जॉहन कर रहे हैं।
- भाजपा में सबसे ज्यादा नुकसान प्र.मंत्री मोदी की ब्रॉन्ड वैल्यू को हुआ और भाजपा 63 सीटों पर हारी, जो पिछले चुनाव में भाजपा ने जीती थी।

थाथ अपने बेटे अपने बलवते पर ही माझों प्रचार-प्रबन्धन के हावी रहने के चुनाव लड़ने दिया होता, तो वे जीत भी कारण उनके बेटे की पराया हो गई।

राजस्थान कांग्रेस के कुछ लोगों का कहना है कि अगर गहलोत नहीं रहे होते

में सचिन पायलट को प्रचार नहीं करने दिया, जिसके कारण मैं पार्टी में यह प्रबल संतरेश गया कि गहलोत राज्य में अपने धुर्विरोधी प्रतिद्वंद्वी की पार्टी भी मिलकर काम नहीं कर सकते।

गहलोत द्वारा दी गई कुछ गलत टिकटों के कारण कांग्रेस कुछ ज्यादा सीटों हासिल की सीटों की जाया और भी ज्यादा रही होती।

अशोक गहलोत, एक समय अस्वस्था बताये जा रहे हैं, अब इंडिया गठबन्धन का चेयरमैन बनने के लिये समर्थन हासिल करने के कोरिश में हैं तथा उन्हें आशा है कि मिलकर करने हुए उन्हें 30 दिन में सर्वेंदर करने के आदेश दिए हैं।

था। अदालत ने माना कि मिलिंगा ने अदालत से मिली जमानत का दुष्प्रयोग किया है। अदालत ने 17 मई, 2022 को मिलिंगा को प्रकरण में जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

याचिका में अधिवक्ता अजय कुमार जैन ने बताया कि 29 मार्च, 2022 को बाड़ी थाने में स्थानीय विधायक मिलिंगा और उनके समर्थकों के खिलाफ याचिकाकारी पर हमला और मारपीट की तरफ चले गए।

एक अन्य बड़े कांग्रेस नेता, जो अब चुक गये हैं वे हैं ब्रॉन्ड कमलनाथ अंकेका सकते थे किन्तु अशोक गहलोत के

गहलोत ने अपने बेटे के चुनाव क्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक मलिंगा की जमानत रद्द

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली कंपनी के ए.ई.एन. से मारपीट और एस.सी./एस.टी. केस से जुड़े मामले में पूर्व विधायक मिलिंगा सिंह राजीव को दी गई जमानत रद्द कर दी है। इसके साथ ही अदालत ने मिलिंगा को तीस दिन में सरेंदर करने के कहा है। जिससे फार्ज और बहस 15 मार्च को वाहिनी का याचिका पर प्रगत हो जाएगा।

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)।

दोनों राजधानियों, लंदन व वॉशिंगटन में दो भारतीय मूल के राजनीतिज्ञ चर्चाओं में छाये हैं

ऋषि सुनक अपना प्र.मंत्री पद छोड़ने के कारण और कमला हैरिस डैमोक्रेटिक पार्टी की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने की संभावना के कारण

-अंजन रांग-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। यह ही शहरों

की दास्तां हैं: लंदन और वॉशिंगटन।

लेकिन, इसमें यहीं है: अनेक वार्षिक रूप से प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति बनने के लिये दो राजनीतिज्ञ उभरकर आए हैं, इस पद की ओर से अपने बाहर करने के लिये आतुर होती हैं। जिससे यहीं है, पर, वे ही एकमात्र रियलिस्टिक (व्यवहारिकता की दृष्टि से) सही उम्मीदवार हैं।

ब्रिटेन के पहले एशियन प्रधानमंत्री

ऋषि सुनक, भारी उत्तर चढ़ाव व

उथल-उत्थल वाले दो वर्षों के बाद पद

से हट रहे हैं। सुनक ने नेतृत्व में

कंजवीटव पार्टी की धाराएं बित्रा

था। अदालत ने माना कि मिलिंगा ने अदालत से मिली जमानत का दुष्प्रयोग किया है। अदालत ने 17 मई, 2022 को मिलिंगा को प्रकरण में जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

याचिका में अधिवक्ता अजय कुमार जैन ने बताया कि 29 मार्च, 2022 को बाड़ी थाने में स्थानीय विधायक मिलिंगा और उनके समर्थकों के खिलाफ याचिकाकारी पर हमला और मारपीट की तरफ चले गए।

गहलोत के लिये इस बारा को प्रधानमंत्री

उम्मीदवार नहीं हैं। सी.एम.एम. के सकती हैं।

यदि वो चुनी गई हो तो यह दूसरा

अनुयायी एक दस्तावेज में कहा गया है,

“इस मुश्किल से बाहर आने का एक

व्यक्ति होगा जो अपने ‘एडोर्टेंड’ देश

में उच्चतम पद पर आसीन होगा।

ब्रिटेन में, ऋषि सुनक ऐसे संकट

सर्वाधिक सशक्त दावा करना हैरिस का

के समय में प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

“लैजिटीमेंटी” पर

रियलिस्टिक प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

सर्वाधिक सशक्त दावा करना हैरिस का

के समय में प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

सर्वाधिक सशक्त दावा करना हैरिस का

के समय में प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

सर्वाधिक सशक्त दावा करना हैरिस का

के समय में प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

सर्वाधिक सशक्त दावा करना हैरिस का

के समय में प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

सर्वाधिक सशक्त दावा करना हैरिस का

के समय में प्रधानमंत्री बने जब

रियलिस्टिक

विचार बिन्दु

जो काम घड़ीं जल से नहीं होता उसे दवा के दो घूँट कर देते हैं और जो काम तलवार से नहीं होता वह काँटा कर देता है। -सुदर्शन

सालाना तीस लाख जिंदगियां निगल रही हैं शराब

वि

एव स्वास्थ्य संगठन ने शराब को लेकर चौकाने वाले खुलासे किए हैं। इस संबंध में संगठन ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि शराब की बजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में मृत्यु दर में शॉटी कमी आई है। इस नए रिपोर्ट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि अंतके भले ही कम हो रहे हैं लेकिन यह अभी भी 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। शराब और स्वास्थ्य परेश इस नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब से सेवन से हर साल दुनिया भर में 20 में से लगभग एक खौट शराब पीने के कारण होती है। शराब पी गई चलाने, शराब के कारण होने वाली हिंसा और दूर्घात्मक रूप से एक खौट तरह की बीमारियों और विवरणों के कारण यह मौत होती है। इसे शराब पॉवर्सन भी कहा जाता है। शराब का नशा मध्यम है यह आपके शरीर के तापमान, श्वास, हृदय गति और गैंग रिफ्लेक्स को प्रभावित करता है।

यह कभी-कभी कोमा या मृत्यु का कारण भी बन सकता है। शराब का नशा कम समय में जटाई है दो सकता है। ये कार्डियन शराब को सेवन कर रहे होते हैं, तो अलान-अलग लक्षण दिखाई दे सकता है। ये कार्डियन शराब को सेवन कर रहे होते हैं, तो अलान-अलग लक्षण दिखाई दे सकता है। ये कार्डियन शराब को सेवन कर रहे होते हैं, तो अलान-अलग लक्षण दिखाई दे सकता है।

नशाखोरी इस सदी की सबसे बड़ी समस्या है जिससे लोगों का नशा जुड़ता है। आज युवा वर्ग शराब के नशे में खोता जा रहा है। युवाओं में तेजी से बढ़ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर झूँचा सकता है। युवाओं के बीच शराब को सेवन एक चलाने से चल पड़ा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसका एक प्रकार का अवसाद भी जाता है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला बनाने वाली की लत उड़े बब्बर कर रही है। शुरू में युवाओं की तरफ पर शराब का सेवन एक खौट है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैंग रिफ्लेक्स की तरफ पर शराब का सेवन करते हैं। देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 31.2 फॉसदी लोग शराब का सेवन करते हैं। इनमें से 3.8 फॉसदी लोग भी हैं जो कभी-कभार काफी ज्यादा शराब पीते हैं। जिसकी एक लाइनर अलग लक्षण दिखाई दे सकता है। ये कार्डियन शराब को सेवन कर रहे होते हैं, तो अलान-अलग लक्षण दिखाई दे सकता है।

युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है।

युवाओं के गंभीर खिंच पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब को सेवन एक चलाने से लगभग शराब का नशा जाता है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी जाता है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला बनाने वाली की लत उड़े बब्बर कर रही है। शुरू में युवाओं की तरफ पर शराब का सेवन एक खौट है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैंग रिफ्लेक्स की तरफ पर शराब का सेवन करते हैं। इनमें से 3.8 फॉसदी लोग भी हैं जो कभी-कभार काफी ज्यादा शराब पीते हैं। जिसकी एक लाइनर अलग लक्षण दिखाई दे सकता है। ये कार्डियन शराब को सेवन कर रहे होते हैं, तो अलान-अलग लक्षण दिखाई दे सकता है।

युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। शराब पीकर पीसे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जिनमें लोकर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से लगभग 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से हुई थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद की नुकसान पहुंचों से सहित चोटों से हुई थीं। रिपोर्ट में पाया गया कि शराब का सेवन करने से लगभग तोड़ते ही सो रहा है। युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। शराब पीकर पीसे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जिनमें लोकर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से लगभग 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से हुई थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद की नुकसान पहुंचों से सहित चोटों से हुई थीं। रिपोर्ट में पाया गया कि शराब का सेवन करने से लगभग तोड़ते ही सो रहा है। युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। शराब पीकर पीसे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जिनमें लोकर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुट अंडा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 6 जुलाई, 2024

आषाढ़ मास, शुक्रल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2081, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 4:48 तक, व्याघ्रात योग रात्रि 2:47 तक, किस्तुत्तु करण सांय 4:27 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:34 से कर्त राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरु-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-गीन, केतु-कन्या राशि में।

आज शुक्र कक्ष राशि में रात्रि 4:31 पर प्रव्रश करेगा। आज

पंडित अनिल शर्मा से गुण नवरात्रा अरम्भ होगी।

श्रेष्ठ घोषणा: शुभ 7:24 से 9:07 तक, चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20



पंडित अनिल शर्मा

श्रेष्ठ घोषणा: शुभ 7:24 से 9:07 तक, चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेघ व्यावसायिक कार्यों पर ध्वन देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से बनने लगेगा। परिवार में प्राप्त होने वाली व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

कन्या व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़नें दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों में वृद्धि होनी चाही रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

मकर स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त्र-परिवार में वृद्धि होनी चाही रहेगी। अस्त्र-परिवार में वृद्धि होनी चाही रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

तुला परिवार में शुभ-मांगलिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

कुंभ व्यावसायिक कार्यों पर ध्वन देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

मीन घर-परिवार में शुभ-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

कर्क व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है।

वृष्णि व्यावसायिक कार्यों के लिए अधिक व्यावसायिक कार्यों की रेती है। व्यावसायिक कार्यों के ल



The Bumblebee Bat

The bumblebee bat is the world's smallest mammal. Weighing in at 0.05 to 0.07 ounces, with a head-to-body length of 1.14 to 1.29 inches and a wingspan of 5.1 to 5.7 inches, the bumblebee bat, also known as 'Kitti's hog-nosed bat,' is the smallest mammal in the world, according to the Guinness Book of World Records. To see this tiny bat for yourself, you'd have to visit one of a select few limestone caves on the Khwae Noi River in Kanchanaburi Province of southwest Thailand.

#THERAPY

White noise is old news, pink noise is the rage now

Studies suggest that *pink noise* offers a range of benefits beyond simply promoting relaxation



Imagine a sound that gently lulls you to sleep, improves focus, and even enhances memory. This isn't magic; it's the power of *pink noise*. Unlike white noise, which can sound harsh due to its equal emphasis on all frequencies, pink noise prioritises lower frequencies. This creates a calming effect similar to sounds found in nature. Think of it as a soothing symphony designed by Mother Nature herself!

Benefits beyond Relaxation: A well-rounded Wellness tool

Studies suggest that pink noise offers a range of benefits beyond simply promoting relaxation. Here's a glimpse into its potential.

- Improved Sleep Quality:** Pink noise can mask disruptive sounds, allowing you to drift off to sleep more easily and enjoy a deeper, more restful slumber.

- Enhanced Memory Consolidation:** Research

indicates that pink noise might play a role in solidifying memories during sleep.

- Reduced Stress:** The calming nature of pink noise can help reduce stress levels, promoting a sense of peace and tranquillity.
- Better Focus:** By masking distractions, pink noise may improve your ability to focus on tasks and enhance concentration.

Understanding the Noise Spectrum: White vs. Pink vs. Green

It's important to differentiate pink noise from other types.

- 1. White Noise:** This static-like sound provides equal intensity across all frequencies, which some find

unpleasant.

- 2. Green Noise:** A sub-category of pink noise, green noise focuses specifically on nature sounds, making it even more relaxing.

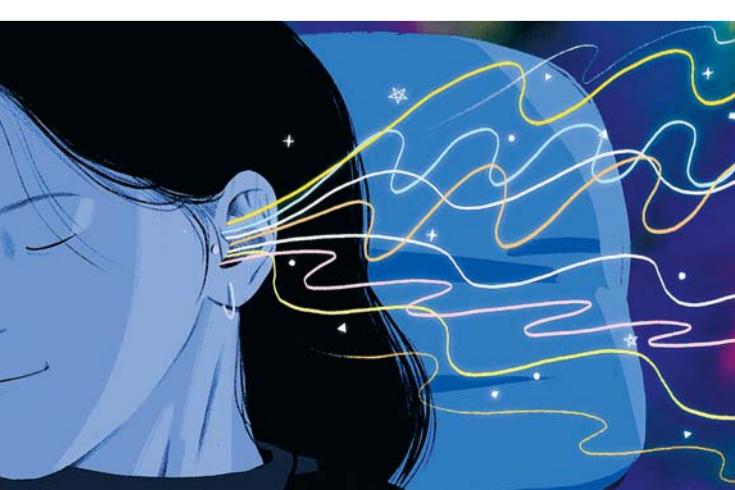
Considering the Cautions: Using Pink Noise wisely

While generally safe, pink noise isn't a one-size-fits-all solution. Here are some points to consider, according to Agarwal.

Individual Sensitivity: Some individuals might find pink noise irritating. Start with low volumes and experiment to find what works for you.

Overdependence: Avoid relying solely on pink noise.

Pink noise offers a unique and natural approach to promote relaxation, sleep quality, and potentially even cognitive function. However, individual sensitivity and healthy listening habits are key considerations. Use pink noise as a tool to enhance your well-being, but remember, a balanced approach to sound is essential for optimal health. So, why not explore the world of pink noise and see if it unlocks a new level of tranquillity in your life?



Josephine Quinn.

Shailaza Singh
Published author,
poet and a YouTuberJosephine Quinn
on her first trip to Rome.

Some excerpts

No matter what kind of history you read, each culture seems to be saying that they came first or their people discovered or invented everything or even created the first civilization. What is the truth?

(Laugh) That's great. I think as a historian, you end up realising that the idea of *coming first* never works because then, there's always so much of stuff from earlier that you have to justify. Even if we just stick to human history, what we actually have records of, it's only the last tiny, tiny minority proportion of what's going on. The stories between telling each other the wars that are happening, there's so much that is only preserved, interestingly in places, which retained an oral culture for a really long time. So, if you go to places like Australia or Polynesia and so on, where oral traditions remained, the main way of passing on memory until really the last century or two, that's the kind of place where you can begin to see stories that are reaching back tens of thousands of years in some cases, where you begin to see climate change from the Ice Age coming up into the myths, that are being told and so on. But I think apart from that, and again, it's a very big picture, if you're looking at sort of ideologies and the lights people give and the sun and so on, I think it's impossible to say that any particular place or thing was first, because from the very beginning, people are interacting with each other, they're interacting across it. I know it is very inconvenient for the leaders of modern nations, but people just didn't organise themselves neatly into those same structures in the past.

But I read somewhere that there was a woman called 'Eve' and she was in Africa. Is that true?

So, the truth is that all humans are interrelated, which means that on some level, we all share the same ancestry. The idea of, I think what you're talking about is *mitochondrial Eve*, who was this character created by scientists, who were working on DNA, couple of decades ago, to describe the fact that everyone is interconnected. The theory was that you could connect it all back to one person, that's the kind of theory that was then proposed quite a lot further than that and quite recently, scientists have discovered that we're actually all interconnected.

Talking to Professor Quinn is like dipping into the pensieve of memories in J.K. Rowling's *Harry Potter*. When she speaks, you feel as if you have stepped into a time machine that will take you back to where it all first began. She was visiting the Jaipur literature festival 2024, and I had the opportunity to interview her.

for sleep. Aim to develop healthy sleep habits alongside its use.

Hearing Health: Prolonged exposure to loud noise, including pink noise, can damage hearing. Listen at moderate volumes.

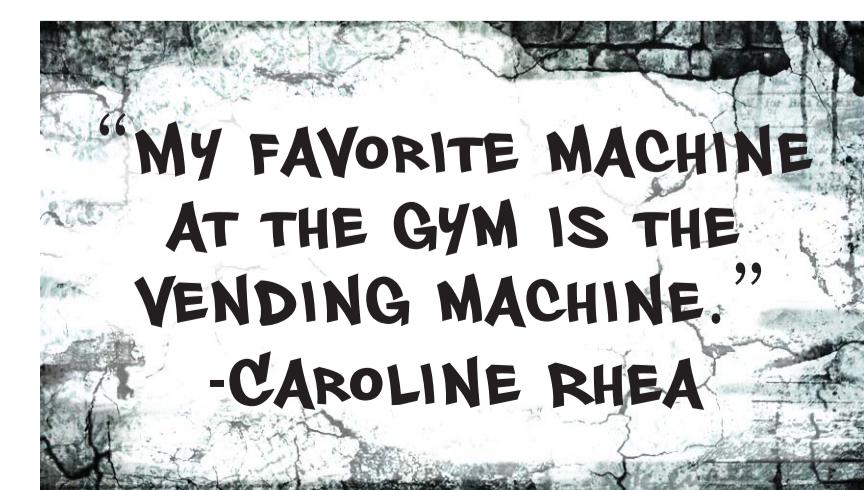
Effectiveness Variation: The effectiveness of pink noise varies from person to person. Experiment and see if it benefits you.

Overdependence: Avoid relying solely on pink noise.

Pink noise offers a unique and natural approach to promote relaxation, sleep quality, and potentially even cognitive function. However, individual sensitivity and healthy listening habits are key considerations. Use pink noise as a tool to enhance your well-being, but remember, a balanced approach to sound is essential for optimal health. So, why not explore the world of pink noise and see if it unlocks a new level of tranquillity in your life?



Brian A. Catlos and Josephine Quinn in conversation with Sanjoy K. Roy.

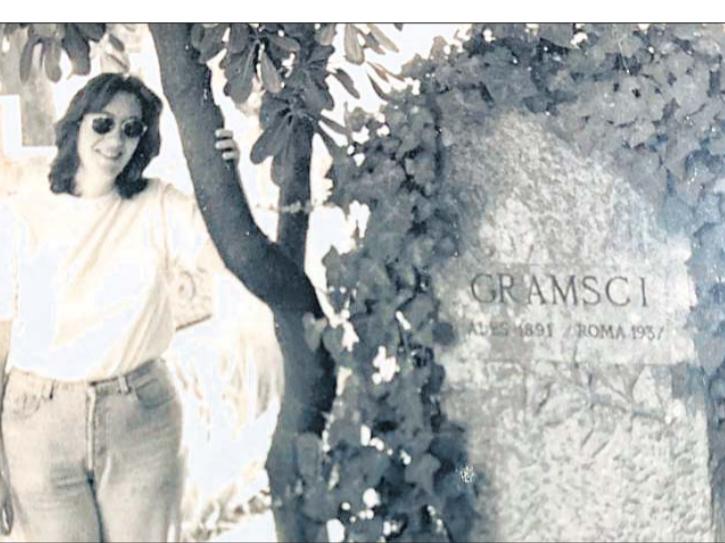


West is not the best...

Throughout the history, the Europeans have proclaimed their civilization as the best. They believed that they were born to educate an illiterate world and they were the ones who invented and discovered everything. However, Professor Josephine Quinn believes that the western civilization's achievements were nothing more than borrowed patchwork from different civilizations.



#TALKING



It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.

It was only when I started studying in the university that I realised it was possible to do a kind of history, that told you about people who were nothing like you. In school, the idea behind teaching us local history was that they could help us to relate to people who came from the same place as us, but what I suddenly realised at university through amazing teachers and great courses that actually what's more amazing are the people who aren't like us, the people who bring something new and different.



By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

#TRADITIONAL

Banarasi with a Twist

The regal silk is not just limited to *mommy sarees* but is being experimented in many styles



Yukti Sharma

here is something really good about *Banarasi Silk* and that's why they say every woman must own a *Banarasi silk saree* in her wardrobe. However, the ever-inventive creators have taken the saree, made it difficult to wear sometimes. However, the material is now not just limited to sarees, as people are experimenting with the material and making pants, skirts, jewellery, footwear and much more out of it and making it apt for every occasion. Alia Bhatt was spotted wearing a *Banarasi skirt* and Parineeti Chopra donned pants made of *Banarasi Silk*. We check with city-based designers and bloggers on how they are using this material in a different way.

From Jackets to Cushions

Jaipur-based designer, *Pallavi Jaipur* has made tops, skirts and shirts using the material. Being a designer, one has to present something new every day or an old thing in a new manner. *Banarasi Silk* is such a beautiful and charming textile and it makes everything look beautiful. The team has been used in a certain way in the past but now, I have made crop tops, off-shoulder tops and shirts. I have made a skirt for me using my mother's *Banarasi Silk Saree* with pockets and belt," she adds.

Banarasi jewellery

Trying some jewellery made from the material, "Banarasi silk is a material that looks heavy and different, and yet, it's not really heavy

ble to all people and we get something for everyone. I have made jackets and tops with the material since it's a signature style. I have also made crop tops, off-shoulder tops and shirts. I have made a skirt for me using my mother's *Banarasi Silk Saree* with pockets and belt," she adds.

Not a cliché saree

Not just that people are using the *Banarasi Silk Sarees* and donning them in a unique way. "Silk material has always been my favourite and I think it's a fun fabric. I keep experimenting with the fabric and use it in different ways and how it always turns out is impeccable. Recently, I used a *Banarasi silk saree* as a skirt and styled it with a shirt and a broad belt to give it a bold look. It looked super-trendy and is a perfect balance between traditional and fashionable. One can totally mix match the skirt with different looks, wear statement jewellery and roll up the shirt sleeves. This is a good wedding guest look for a day function," shares Ayisha Agarwal, blogger.



संक्षिप्त

सुनील भाणजा
बने अध्यक्ष

निवाई, (निसं)। सकल दिनंवर जैन

समाज के तत्वावादी में शानिनाथ

दिनंवर जैन

अग्रवाल मंडिर

में अनुसरण

सामाजिक चुर्चामास

को लेकर

बैठक

आयोजित हुई।

जिसमें

सर्वसम्मति से

सुनील भाणजा

को चातुर्पां

कमेटी की

अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया एवं

मंजी पद पर मुकेश बनेता, कोशाल्यक

जैन जैन बद्धागाव के संरक्षक के पद

पर महावीरप्रसाद जैन माधोजपुरा,

सुशीलकुमार आरामशीन एवं खगचंद

जैन सिरस को सर्वसम्मति से

चुना गया।

गुमशुदगी का
मामला दर्ज

दूहू, (निसं)। दूहू स्थित गणेश

कालीनों निवासी पूजा जागनट ने

पुलिस थाना दूहू में प्रिपोर्ट दर्ज करवा

16 जून को अवगत कराया है। पूजा ने दर्ज

प्रिपोर्ट में अवगत कराया की गुरुवार

की सुबह घर से सामान लाने की बात

कह कर बाजार गया था लेकिन शाम

तक बार बात के गई लेकिन

कोई सुराग नहीं मिला पुलिस ने

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करता

शुरू कर दी।

इमशन भूमि में
किया वृक्षारोपण

खादूश्यामर्जी, (निसं)। कर्बे

लायिका तिहाई, रावण टीले स्थित

शमशन थात पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

आयोजित हुआ। रविवार सोनी ने

बताया कि शमशनथात पर सात पौधे

नीम, दो पेड़ पीपूल व एक 15 फीट

लंबा बरादर का पेढ़ लगाया गया है।

इसके साथ ही पेढ़ लगाये के साथ

इके देख रेखा की जिम्मेदारी भी ली

गई है। सोनी ने बताया कि ये पेढ़ पूर्ण

रूप से विकसित करने का संकल्प

लिया गया है। इस दौरान संजय सोनी,

अभियोग सोनी सहित अनेक लोग

मौजूद रहे।

पागल कुत्ते ने पांच
जनों को काटा

निवाई, (निसं)। ग्राम युनियन में

शुक्रवार को एक पागल कुत्ते ने एक

विकलांग बच्चे सहित पांच जनों को

काट लिया। कुत्ता को सुनाए

बताया कि शुक्रवार की सुबह

दर्ज करता था। उसके बाद एक पर्दे

घास हो गया। इसी बजाए मन्दनलाल

पाराशर को मंदिर जाते समय काट

खाया। गांव के ही एक विकलांग

बच्चे शुभ तानिवाड़, सोनू ज्योति

व विकास तानिवाड़ को काट लिया।

परिजन सभी याथों को रोजगारी

सम्पुद्धियक अस्साल में भर्ती

करतावाया। जहां विकिटस्को ने

प्राथमिक उपचार के बाद सभी को

एंटी रेवीज इंजेक्शन लगाने के लिए

टॉक रेफर कर दिया।

दुष्कर्म का आरोपी

गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं)। थाना पुलिस ने

दुष्कर्म के मामले में कई दिनों से

वाचित एक आरोपी को शुक्रवार को

गिरफ्तार करने से वाक्यात्मक

जैन बाल जैन की गिरफ्तारी

के बाद जैन ब

